B.A(H), PART-Ist
POLITICAL SCIENCE
PAPER-I: BASIC PRINCIPLES OF POLITICAL THEORY

By: OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SC.
D.B. COLLEGE JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

CH-7 (Authority & Ligitimacy)
LECTURE NO.- 18
DATE: 30/04/2020

औचित्यपूर्णता या वैधता का महत्व
Importance of Legitimacy

राजनीति विज्ञान में वैधता का महत्वपूर्ण स्थान है। जैसे-जैसे सभ्यता और संस्कृति तथा राजनीति का विकास हो रहा है वैसे-वैसे मानव जीवन और व्यवहार में दमनात्मक शक्ति सम्बंधों की भूमिका कम होती जा रही है। मानव से शासन के आदेश की स्वीकृति डरा-धमकाकर एवं दमन करके अधिक समय तक नहीं करवाया जा सकता। ऐसी स्थिति में शक्ति की अदमनात्मक तत्वों जैसे- प्रभाव, सत्ता और नेतृत्व की भूमिका अहम हो जाती है। ये तत्व औचित्यपूर्णता से अन्तर्सम्बंधित होकर और अधिक शक्तिशाली व प्रभावशाली हो जाते हैं और दूसरे के व्यवहार को परिवर्तित करने में सफल होते हैं। इन तत्वों के द्वारा शासन व प्रशासन के आदेशों का अधीनस्थों से पालन दमनात्मक तत्वों के अपेक्षा अधिक समय तक करवाया जा सकता है, जब इनमें औचित्यपूर्णता जुड़ जाय।

वैसे तो सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं में औचित्यपूर्णता का महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन लोकतंत्र में इसका विशेष महत्व है। चूंकि लोकतंत्र जनता के सहमति पर आधारित शासन व्यवस्था है, इसमें भय और आतंक के आधार पर जनता से आज्ञापालन

Now

Scanned with CamScanner

Date: _____ Page: _____

क्रमशः करा पाना बहुत अधिक कठिन हो जाता है। बल, हमन आदि का प्रयोग जितना कम हो, उतना ही अच्छा है। इनका प्रयोग अधिक होने से सत्ता अपनी औचित्यपूर्णता खो बैठती है जो कालान्तर में समस्त राजनीति व्यवस्था के लिए घातक स्थिति होती है। व्यक्ति और सत्ता के मध्य अच्छे सम्बंधों की स्थापना के लिए यह नितांत आवश्यक है कि सत्ता के द्वारा अधिक-से-अधिक सम्भव सीमा तक औचित्यपूर्णता की स्थिति प्राप्त की जाय। अतः राजनीतिक व्यवस्थाएँ सदैव और सर्वत्र औचित्यपूर्णता की तलाश में रहती हैं। एस० एम० लिपसेट के अनुसार, "किसी विशिष्ट लोकतंत्र की स्थिरता न केवल आर्थिक विकास पर ही, अपितु वहाँ की राजनीतिक व्यवस्था की वैधता और क्षमता पर भी निर्भर करती है।"

उपर्युक्त विवेचना से हम पाते हैं कि लोकतंत्रीय व्यवस्था सहित सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं में औचित्यपूर्णता का महत्वपूर्ण स्थान है।

औचित्यपूर्णता की विशेषताएँ
Characteristics of Legitimacy :

औचित्यपूर्णता या वैधता कोई भौतिक वस्तु नहीं है जिसके कोई निश्चित निर्धारक तत्व या निर्माणकारी तत्व बतलाये जा सकें; अपितु यह तो एक धारणा है, राजनीतिक जीवन की एक स्थिति है जिसकी अपनी कुछ विशेषताएँ हो सकती हैं। ये विशेषताएँ लोगों के मानसिक स्तर, राजनीतिक मूल्य-विश्वास और आदतें तथा राजनीतिक चेतना की मात्रा पर निर्भर करती हैं अर्थात् सभी देशों में एक जैसा नहीं हो सकता है।

Next

Scanned with CamScanner

Date: _____ Page: _____

Ans:- औचित्यपूर्णता की निम्नलिखित विशेषताएँ हो सकती हैं-

(i) औचित्यपूर्णता या वैधता में शक्ति को सत्ता में परिवर्तित करने का गुण पाया जाता है।

(ii) इसके साथ प्रभावकता की धारणा सम्बद्ध रहती है। किसी व्यवस्था को वैधता तभी प्राप्त हो सकती है जबकि उसने कुछ सीमा तक प्रभावकता प्राप्त कर ली है।

(iii) वैधता की धारणा में एक विशेष विश्वास विकसित करने क्षमता पायी जाती है। किसी राजनीतिक व्यवस्था का औचित्य इस बात पर निर्भर करता है कि वहाँ के लोग अपने विश्वासों के आधार पर उस प्रणाली को किस सीमा तक वैध समझते हैं।

(iv) यह लोगों के मूल्यों और विश्वासों पर निर्भर करता है।

(v) वैधता विशाल सामाजिक स्वीकृति पर आधारित होता है।

संभावित प्रश्न :

- औचित्यपूर्णता या वैधता के महत्व एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner